सत्यापित शीर्षक क्रमांक
MAH/HIN/50786 /13/1/2013 T.C.

सृष्टी एग्रो

पाक्षिक

• वर्ष : 1 • अंक : 2 • मुंबई, 16 फरवरी से 28 फरवरी 2013 • पृष्ठ : 8 • किंमत : 2/- रुपये

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रावृति से पात्र विद्यार्थी वंचित नही रहे

दौसा – जिला कलेक्टर प्रमिला सुराणा ने कहा कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना के अन्तर्गत संचालित मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रावृति से जिले का कोई भी पात्र विद्यार्थी वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि इस कार्य संपादन में शिथिलता एवं ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

जिला कलेक्टर आज बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्यो से योजनान्तर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुये उपस्थित प्राचार्यो को ये निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी प्राचार्य यह सुनिश्चित करें कि योजना के तहत ६० प्रतिशत अंक प्राप्त किसी भी संकाय का विद्यार्थी एवं उसके अभिभावक की २.५० लाख रूपये निर्धारित आय सीमा रखने वाला छात्रावृति का पात्रा होगा। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी

आवेदन की अंतिम तिथि २८ फरवरी

प्राचार्य इस योजना की महत्ता और गंभीरता समझते हुए आदेशों का कडाई से पालन करें, इसके लिए व्याख्याताओं द्वारा उनकी कक्षा में छात्रों को इस योजना की जानकारी देकर २८ फरवरी तक आवेदन करने के लिए प्रेरित किया जाये ताकि शत प्रतिशत प्राप्त आवेदित छात्रों को छात्रावृति स्वीकृत हो सके।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर किराडीलाल मीणा ने बताया कि विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत छात्रावृति का १ अप्रेल से कैश ट्रांसफर की व्यवस्था शुरू होगी। जिसमें आधार नामांकन की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया कि जिले की राजकीय कॉलेजों में आधार नामांकन के लिए मशीने लगायी जा चुकी है, जहां निजी महाविद्याल य के छात्रा अपना नामांकन करा सकते है तथा महवा में संचालित कॉलेज के छात्रा तहसील अथवा ग्राम पंचायत समिति में अपना आधार नामांकन करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आधार नामांकन में आने वाली किसी भी समस्या के निदान के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर से सम्पर्क कर सकते है। आरंभ में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी प्रो. नारायणलाल मीणा ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक ८७९ आवेदन ही प्राप्त हुये है। बैठक में जिले के राजकीय एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्यो सहित प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भारतीय दूध ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक

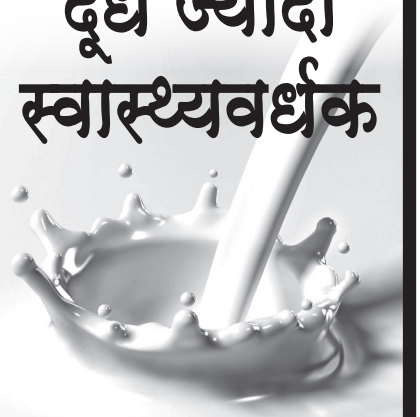

नई दिल्ली। भारतीय किस्मों वाली गाय और भैंस का दूध विदेशी के पशुओं के दूध से ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक होता है। एक अध्ययन के अनुसार भारतीय किस्मों के पशुओं में ए२एलेली जीन ज्यादा होता है। इससे इन पशुओं का दूध ज्यादापौष्टिक हो जाता है। नेशनल यूरो ऑफ एनीमल जेनेटिक रिसोर्सेज (एनबीएजीआर) की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय गाय और भैंस में ए२ एलेली जीन १०० फीसदी पाया गया है जबकि विदेशी नस्लों के पशुओं में यह जीन ६० फीसदी तक है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन कार्यरत करनाल स्थित एनबीएजीआर के डायरेटर बी. के.जोशी ने बताया कि घरेलू रेड सिंधी, साहीवाल, थारपारकर, राठी और गिर नस्लों की गायों के बीटा केसीन जीन का अध्ययन करने पर ए२ एलेली की मात्रा का पता चला है।

मोटापे से परेशान सोनाक्षी सिन्हा!

मुंबई – आजकल सोना बेबी अपने मोटापे से बहुत परेशान हैं। पर्दे पर इठलाती बलखाती सोना बला की खूबसूरत तो हैं लेकिन ये हसीना पतली नहीं हैं। मैडम की कमर चिकनी तो हैं पर पतली नहीं है। (पान ७ पर)

किसान-मित्र योजना अब ३१ मार्च तक

भोपाल – मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ने "किसान-मित्र योजना" के अच्छे रिस्पांस को देखते हुए इसकी अवधि ३१ मार्च, २०१३ तक बढा दी है। पूर्व में यह योजना ३१ दिसम्बर, २०१२ तक लागू थी। कम्पनी के कार्यक्षेत्र के १६ जिलों में कृषि उपभोक्ताओं के लिये बकाया राशि भुगतान सरचार्ज माफ करने के लिये किसान-मित्र योजना शुरू की है। कम्पनी ने किसानों से योजना का लाभ उठाने की अपील की है। स्थाई अथवा अस्थाई रूप से १० किलोवॉट भार तक के कटे हुए या जुडे हुए कृषि-पम्प उपभोक्ता योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना के तहत बकायादार कृषि-पम्प उपभोक्ताओं को ३० अगस्त, २०१२ की स्थिति में मूल बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। भुगतान करने पर संबंधित बकायादार उपभोक्ता के कनेक्शन पर जोडी गई सरचार्ज की पूर्ण राशि अर्थात शत-प्रतिशत माफ की जायेगी। ऐसे उपभोक्ता को केवल रि-कनेक्शन चार्ज की निर्धारित राशि जमा करना होगी। इसके बाद कृषि-पम्प कनेक्शन को जोड दिया जायेगा। यदि कृषि-पम्प उपभोक्ता की अमानत राशि पूर्व में विद्युत देयक में समायोजित कर ली गई है, तो उपभोक्ता को ४५ दिन की अनुमानित खपत के बराबर सुरक्षा-निधि जमा करना होगी।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं आधारभूत ढांचे के विकास के लिए केंद्र मदद करे - *खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री*

नई दिल्ली- खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री परसादी लाल मीणा ने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं राजस्थान जैसे रेगिस्तान प्रधान प्रदेश में आधारभूत ढांचे के विकास के लिए वित्तीय मदद प्रदान करने का आग्रह किया है।

श्री मीणा बुधवार को नई दिल्ली के आई.सी.ए.आर., पूसा में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा बिल पर चर्चा के लिए आयोजित राज्यों के खाद्य मंत्रियों के सम्मेलन में बोल रहे थे। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय उपभोक्ता मामलों तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रो. के.वी.थॉमस ने की।

श्री मीणा ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा बिल के अन्तर्गत लागू होने वाले कार्यक्रम पर होने वाला सम्पूर्ण व्यय केंद्र सरकार द्वारा ही वहन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का वित्तीय बोझ राज्य सरकारों पर नहीं डाला जाए क्योंकि राज्यों के पास वित्तीय संसाधन सीमित हैं।

उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम को लागू करने के लिए राजस्थान जैसे रेगिस्तान प्रधान एवं विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों वाले, क्षेत्रफल के लिहाज से देश के सबसे बडे राज्य में आधारभूत संरचना विकास के लिए भी केंद्रीय मदद प्रदान करने का सुझाव दिया।

श्री मीणा ने यह सुझाव भी दिया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत लाभान्वित होने वाले परिवारों के चयन की जिम्मेदारी भी राज्य सरकारों पर ही छोडी जानी चाहिए।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है तथा इसे और प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत गरीब परिवारों की गर्भवती महिलाओं को नि:शुल्क खाद्य सामग्री प्रदान करने का प्रावधान भी शामिल किया जाना चाहिए।

बैठक में राजस्थान के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के प्रमुख सचिव श्री ललित मेहरा भी मौजूद रहे।

कनिष्ठ अभियन्ता सिविल एवं मैकेनिकल के पदों के लिए चयन सूची जारी

१८ फरवरी से होगे मेडिकल टेस्ट

जयपुर- जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन में की जा रही कार्मिकों की भर्ती के तहत २३ दिसम्बर २०१२ को आयोजित कनिष्ठ अभियन्ताओं की लिखित परीक्षा में से बुधवार को कनिष्ठ अभियन्ता सिविल के २१ एवं मैकेनिकल के १४ पदो के चयन के लिए परीक्षा परिणाम घोषित कर चयन सूची जारी कर दी गई है। शेष कनिष्ठ अभियन्ताओं के पदों का परिणाम १४ व १५ फरवरी को जारी किया जाएगा।

जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री निहाल चन्द गोयल ने बताया कि परीक्षा परिणाम के बाद चयनित सूची एवं प्रतीक्षा सूची चयनित अभ्यार्थियों का मेडिकल टेस्ट १८ व १९ फरवरी २०१३ को प्रातः ९.०० बजे से महात्मा गांधी अस्पताल, सीतापुरा, जयपुर में लिया जाएगा।

उन्होनें बताया कि पारदर्शिता के हित में इस चयन से सम्बन्धित समस्त आंकडे जयपुर मेट्रो की वेबसाइट पर अपलोड कर दिये गए हैं। विभिन्न केटेगरी के लिए कट ऑफ मार्क्स के अलावा प्रत्येक सफल या असफल अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त अंकों का विवरण भी सार्वजनिक किया गया है। लिखित परीक्षा में किस अभ्यर्थी द्वारा कितने गलत व कितने सही उत्तर दिए हैं, इसका विवरण भी वेबसाईट पर उपलब्ध करा दिया गया है।

श्री गोयल ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों को यह छूट दी गई है कि यदि उन्हें अपने प्राप्तांकों को लेकर कोई संशय हो, तो वे कारपोरेशन को ई-मेल भेजकर एक माह के भीतर अतिरिक्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद ही परीक्षा से सम्बन्धित उत्तर पुस्तिकाएं आदि का रिकार्ड नष्ट किया जायेगा।

MANUFACTURER AND BULK SUPPLIER OF FERTILIZERS PRODUCTS

UDIT OVERSEAS PVT. LTD.

137, INDUSTRIAL AREA DEHRA, TEHSIL-CHOMU, DISTT. JAIPUR

Products Range:-

Micronutrients
Mixture
Secondary Nutrients
Growth Promoters
Bio Stimulants
Bio Fungicide
Bio Insecticide
Bactericide
Wetting Agent
Zyme
Tonic

WE WELCOME YOUR INQUIRY .....

CONTACT DETAIL

MR. ALOK BENIWAL
MOB: 9660258447

संपादकीय

कुछ उपायोंसे खेती की लागत कम की जा सकती है

खेती को लाभदायक बनाने के लिए दो ही उपाय हैं- उत्पादन को बढाएँ व लागत खर्च को कम करें। कृषि में लगने वाले मुख्य आदान हैं बीज, पौध पोषण के लिए उर्वरक व पौध संरक्षण, रसायन और सिंचाई। खेत की तैयारी, फसल काल में निंदाई-गुडाई, सिंचाई व फसल की कटाई-गहाई-उडावनी आदि कृषि कार्यों में लगने वाली ऊर्जा की इकाइयों का भी कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण स्थान है।

इनका उपयोग किया जाना आवश्यक है, परंतु सही समय पर सही तरीके से किए जाने पर इन पर लगने वाली प्रति इकाई ऊर्जा की क्षमता को बढाया जा सकता है। इनका अपव्यय रोककर व पूर्ण या आंशिक रूप से इनके विकल्प ढूँढकर भी लागत को कम करना संभव है। इस दिशा में किए गए कार्यों व प्रयासों के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। इनसे कृषकों को अधिक लाभ मिलने के साथ ही पर्यावरण को प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकता है।

पौध पोषण : पौध पोषण के लिए बाजार से खरीदे गए नत्रजन, स्फुर और पोटाशयुक्त उर्वरक उपयोग में लाए जाते हैं। प्रयोगों में पाया गया है कि रासायनिक उर्वरक के रूप में दी गई नत्रजन (जो यूरिया, अमोनियम सल्फेट आदि के द्वारा दी जाती है) का सिर्फ ३३-३८ प्रतिशत भाग ही उस फसल को प्राप्त हो पाता है।

शेष सिंचाई जल के साथ नाइट्रेट्स के रूप में रिसकर या कम नमी की अवस्था में गैसीय रूप में वातावरण में चला जाता है। इसी तरह स्फुर यानी फास्फोरस का २० अंश एवं पोटाश का ४० से ५० प्रतिशत अंश ही उस फसल को मिल पाता है। स्फुर का ८० प्रतिशत अंश तक काली चिकनी मिट्टी के कणों के साथ बँधकर पौधों को उपलब्ध नहीं हो पाता है।

इन उर्वरकों की मात्रा को कम करने एवं उपयोग क्षमता को बढाने में जीवांश खाद जैसे गोबर की खाद या कम्पोस्ट या केंचुआ खाद आदि का प्रयोग लाभदायक पाया गया है। ये जैविक खाद किसान अपने स्तर पर भी तैयार कर सकते हैं। इनके अलावा अखाद्य तेलों जैसे नीम, करंज आदि की खली का उपयोग किया जा सकता है। इन खलियों के चूरे की परत यूरिया के दाने पर चढाकर यूरिया के नत्रजन को व्यर्थ नष्ट होने से बचाया जा सकता है।

नत्रजन वाले उर्वरकों की निर्भरता को कम करने के लिए जीवाणु कल्चर राइजोबियम या एजेक्टोबेक्टर का उपयोग, गेहूँ, जुवार, मक्का, कपास आदि फसलों के साथ अंतरवर्तीय फसल के रूप में चना, गेहूँ, उडद, अरहर, चौला आदि का उपयोग लाभदायक पाया गया है। ये दलहनवर्गीय फसलें वातावरण की नत्रजन को लेकर न सिर्फ अपने उपयोग में लाती है, बल्कि अपनी जडों में स्थिर नत्रजन का लाभ साथ लगाई गई अंतरवर्ती को भी पहुँचाती हैं। स्फुर (फास्फोरस) की उपयोग क्षमता को बढाने के लिए स्फुर घोलक बैक्टीरिया का उपयोग किया जाना चाहिए। अपने यहाँ अभी भी गोबर का उपयोग उपले या कंडे बनाकर ईंधन के रूप में किया जाता है। यदि इसे गोबर गैस में परिवर्तित कर सकें तो ईंधन की समस्या हल होने के साथ ही बेहतर गुणवत्ता का खाद भी प्राप्त हो जाता है। गाँव में पशुओं की संख्या के आधार पर गोबर गैसों के निर्माण, रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपी जा सकती है।

गेहूँ की फसल की कटाई के बाद खेतों को आग लगाकर साफ किया जाता है। इससे भारी मात्रा में जीवांश जलकर नष्ट हो जाता है। इसे जलाने के बाद फसल की कटाई के तत्काल बाद मिट्टी पलटने के हल से खेत को जोतकर ढेलेदार अवस्था में छोड दिया जाना चाहिए, जिससे कटे हुए पौधों के डंठल, ठूँठ आदि निचली सतह में जाकर मिट्टी से दब जाएँ और वर्षा आने पर स्वतः ही विघटित होकर जीवांश खाद बन जाते हैं। फसलों में सिंचाई जल की उपयोग क्षमता बढाने के लिए एक नाली छोडकर एकांतर (अल्टरनेट) सिंचाई करना, स्प्रिंकलर (फुहार) सिंचाई, टपक सिंचाई आदि विधियों व साधनों का प्रयोग फसल की कतारों के बीच अवरोध परत (मलच) का उपयोग आदि तरीके काम में लाए जाने चाहिए।

पौध संरक्षण : रोगों और कीडों की बहुतायत आधुनिक और लगातार कृषि की देन है। हमारा लक्ष्य फसलों को इनके द्वारा की जाने वाली हानि से बचाना है न कि नष्ट करना। कीट व रोगनाशक रसायनों का असर सिर्फ नुकसान करने वाले कीडों व रोगों पर न होकर लाभ पहुँचाने वाले कीडों व रोगों पर भी होता है।

इनके नियंत्रण के लिए स्वच्छ कृषि, परजीवी व शिकारी कीडों व कीडों को हानि पहुँचाने वाले कवकों (फफूँदों) व वायरस का प्रयोग असरकारक पाया गया है। इनके अलावा नीम, करंज, हींग, लहसुन, अल्कोहल आदि के उपयोग, अंतरवर्ती फसल, प्रपंची फसल फेरोमेन, ट्रेप, प्रकाश प्रपंच आदि साधनों के उपयोग से रसायनों के उपयोग पर खर्च होने वाली राशि में कमी की जा सकती है। कीटनाशी रसायन अंतिम विकल्प के रूप में काम में लाएँ।

जनउपयोगी प्रयोजन के लिए ७२६५ प्रकरणों में भूमि आवंटित

तीन लाख ४२ हजार पट्टे जारी

जयपुर- राज्य में प्रशासन गांवों के संग अभियान के दौरान अब तक जन उपयोगी प्रयोजन एवं ग्रामीणों को आवास हेतु भूमि उपलब्ध कराने से संबंधित ४ हजार ४७३ प्रकरणों में भूमि आरक्षण करने के साथ ७ हजार २६५ प्रकरणों में भूमि का आवंटन किया गया है। इस दौरान तीन लाख ४२ हजार ४०१ आवासीय पट्टे भी जारी किये गये हैं।

अभियान के दौरान ग्रामीणों को आवास व्यवस्था के लिए भूमि उपलब्धता की दिशा में प्राथमिकता के साथ पट्टे जारी कर नि:शुल्क आवासीय भूखण्डों का आवंटन किया गया है ताकि आवासहीन अपने घर का सपना पूरा कर सके। अभियान के दौरान अब तक ६१ हजार ९७ नि:शुल्क आवासीय भूखण्ड आवंटित करने के साथ ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के माध्यम से नियम १५७/१५८ के तहत ३ लाख ४२ हजार ९०१ पट्टे जारी किये गये हैं।

शिविरों के दौरान उपरोक्त उद्देश्यों के तहत जन उपायोगी प्रयोजन के लिए राजस्व विभाग द्वारा राजकीय भवनों यथा उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनबाडी, पंचायत घर, विद्यालय व खेल मैदान एवं पटवार घर के लिए भूमि आवंटित की गई। इसी प्रकार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ, श्मशान, कब्रिस्तान, के लिए राजकीय भूमि का आरक्षण एवं आवंटन प्राथमिकता से किया गया है ताकि बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के तहत राजकीय भवनों के निर्माण के लिए भूमि की उपलब्धता संभव हो सके।

ग्रीन हाउस लगा कर आधुनिक खेती करने का बढा प्रचलन

बिलासपुर, २६ (हप्र)। जिला में ग्रीन हाउस लगा कर आधुनिक ढंग से खेती करने का प्रचलन बढने लगा है। गरीब किसान भी बांस के ग्रीन हाउस लगा कर अपनी आर्थिकी मजबूत कर रहे हैं। जिला बिलासपुर में वर्ष २०११-१२ में १२५ बांस के ग्रीन हाउस लगाए जा चुके हैं। सरकार बांस के ग्रीन हाउस लगाने पर किसानों को नब्बे प्रतिशत अनुदान दे रही है। ये उदगर आज यहां बचत भवन में प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में कृषि उपनिदेशक डा. जी लखनपाल ने व्यक्त किए। यह कार्यक्रम एडीएम दर्शन कालिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसमें बताया गया कि जिला में गत मार्च तक ९७४ ग्रीन हाउसों का निर्माण किया जा चुका है।

प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में बताया गया कि इस वर्ष ०.५३२० हेक्टेयर क्षेत्र में बांस के व ०.२२७१ हेक्टेयर क्षेत्र में जीआई ग्रीन हाउस स्थापित किए गए जिनको १६ लाख रुपए का अनुदान दिया जा चुका है। महिलाओं का कृषि के क्षेत्र में विशेष योगदान रहता है। यह बताते हुए लखनपाल ने कहा कि जिला में महिलाओं के अब तक ४५ स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा चुका है। इन समूहों में महिलाओं को कृषि की आधुनिक तकनीकी संबंधी प्रशिक्षण शिविर, प्रदर्शन व भ्रमण कार्यक्रम करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मिट्टी की उपजाऊ क्षमता तथा गुणवत्ता बढाने के लिए जैविक कृषि की ओर किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। किसानों को वर्मी कम्पोस्ट बनाने हेतु दो किलो केंचुए के किट मुफ्त दिए जा रहे हैं। जो भी बीज दिया जाता है वह सौ प्रतिशत उपचारित होता है।

पेस्टीसाइड्स एसोसिएशन का जन सुनवाई शिविर

पेस्टीसाइड्स एसोसिएशन संगरिया के सदस्यों ने आज एसोसिएशन अध्यक्ष श्री अर्जुनदेव अंगी की अध्यक्षता में स्थानीय कृषि उपज मंडी समिति के विश्राम घर में आयोजित जन सुनवाई शिविर में विधायक डॉ. परमनवदीपसिंह से मिलकर खाद एवं पेस्टीसाइड्स पर लगने वाले टैक्स (५ प्रतिशत वेट) को मुक्त करने हेतु एक ज्ञापन सौंपा। खाद एवं पेस्टीसाइड्स विक्रेताओं ने अपनी समस्याओं से अवगत करवाते हुए डॉ. परमनवदीपसिंह को बताया कि हमारे पड़ोसी राज्यों में खाद एवं पेस्टीसाइड्स पर टैक्स (वेट) नहीं लगता है जिसके कारण यहां के अधिकतर किसान सस्ते के चक्कर में खाद एवं पेस्टीसाइड्स पंजाब एवं हरियाणा के सीमान्त क्षेत्रों से लेकर आते हैं। जिसकी गुणवत्ता की कोई जुम्मेवारी कोई भी कम्पनी या विभाग नहीं लेता है।

इस कारण कृषक वर्ग को कभी भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। खाद एवं पेस्टीसाइड्स बाहर से आने की वजह से यहां के व्यापारियों को भी व्यापार में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसलिए एसोसिएशन की मांग है कि राज्य सरकार को खाद एवं पेस्टीसाइड्स को वेट मुक्त करना चाहिए। जिससे एक बहुत बड़ा वर्ग (किसान एवं व्यापारी) इसका लाभ उठा सकेगा। स्थानीय विधायक डॉ. परमनवदीपसिंह ने उपस्थित व्यापारियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने एवं समझने के बाद इस समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया है। इन्होनें ने बताया कि शायद माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत अगले सप्ताह तक हनुमानगढ़ दौरे पर आ सकते हैं।

उसी दौरान हम सभी मिलकर इस समस्या के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत करवायेगें और इसी बजट सत्र में खाद एवं पेस्टीसाइड्स को वेट मुक्त करवाये जाने के प्रयास किये जाएगें। एसोसिएशन के उपस्थित सभी सदस्यों ने विधायक डॉ. परमनवदीपसिंह का किसानों एवं व्यापारियों की समस्या को समझने एवं शीघ्र हल करवाने के आश्वासन के लिए उनको धन्यवाद दिया। शिष्ट मंडल में एसोसिएशन सदस्य कुलदीप सहारण, भरपूरसिंह, राजेश बंसल, सुरेश सहू, हैप्पी जिन्दल, भादरराम कड़वासरा, अमृतपाल गर्ग, राजीव धारणियां, धुनीदास अग्रवाल, मोनू मरेजा, सुमित, मुकेश, मधुसुदन, अरूण पूनियां, विनोद कुंकणा आदि मौजूद थे।

पेस्टीसाइड्स एसोसिएशन संगरिया का एक शिष्ट मंडल आज ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज राज्यमंत्री चौ. विनोद कुमार से उनके पैतृक गांव लीलांवाली में जाकर सुबह १० बजे मिले। शिष्टमंडल की तरफ से खाद एवं पेस्टीसाइड्स पर लगने वाले वेट (टैक्स ५ प्रतिशत) को हटवाने के लिए चौ. विनोद कुमार को ज्ञापन दिया गया है। जिसमें उन्हें बताया गया है कि पड़ोसी राज्यों पंजाब एवं हरियाणा में खाद एवं पेस्टीसाइड्स पर टैक्स नहीं लगता है जिसके कारण अधिकांश किसान वहां से खाद एवं पेस्टीसाइड्स लेकर आते हैं। जिसकी गुणवता की कोई गारंटी नहीं होती है। इससे यहां के विक्रेताओं को भी व्यापार में काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है तथा राज्य सरकार को भी परेशानियां हो रही है। राज्यमंत्री चौ. विनोद कुमार जी ने शिष्टमंडल को आश्वासन दिया कि वे माननीय मुख्यमंत्री जी एवं संबंधित मंत्रियों एवं विभागों से मिलकर इस समस्या का समाधान करवाने का पूरा प्रयास करेगें। इससे राज्य सरकार को लगभग प्रतिवर्ष १५ करोड़ रूपयों का नुकसान उठाना पड़ेगा लेकिन सरकार किसान एवं व्यापारी वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए खाद एवं पेस्टीसाइड्स को वेट मुक्त (५प्रतिशत) करने की कोशिश करेगी। उन्होनें बताया कि भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा राजस्थान की विषम परिस्थितियों में तो खेती और भी मुश्किल है ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा किसान हित में जो भी संभव हो पाएगा उसका भरपूर प्रयास किया जाएगा। शिष्ट मंडल में पेस्टीसाइड्स एसोसिएशन अध्यक्ष श्री अर्जुनदेवअंगी, सचिव कुलदीप सहारण, कोषाध्यक्ष भरपूसिंह, मधुसुदन, मोनू मरेजा, हैप्पी जिन्दल इत्यादि शामिल थे।

ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करें

जयपुर- प्रशासन गांव के संग अभियान सफल साबित हो रहा है, इसके माध्यम से बडी तादाद में ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर उन्हें राहत प्रदान की जा रही है।

ये विचार चित्तौडगढ जिले के प्रभारी व सार्वजनिक निर्माण मंत्री श्री भरतसिंह ने मंगलवार को पंचायत समिति चित्तौडगढ की ग्राम पंचायत घोसुण्डी में आयोजित शिविर के दौरान व्यक्त किये। शिविर के दौरान प्रभारी मंत्री श्री भरतसिंह, विधायक श्री सुरेन्द्रसिंह जाडावत व जिला कलक्टर श्री रवि जैन की उपस्थिति में ६ नि:शक्तजनों को ट्राईसाइकिल, ३० लाभार्थियों को पेंशन, ६ श्रमिकों को पुत्री विवाह अनुदान हेतु ५१-५१ हजार राशि के चेक, १६ बीपीएल परिवारों को नि:शुल्क पट्टों का वितरण किया गया। मौके पर बच्चों की विकलांग पेंशन के साथ ही उनके परिवार का आस्था कार्ड भी जारी किया गया।

एसबीसी गैस उपभोक्ताओं को मिलेंगे डीबीसी गैस कनेक्शन

आगामी 1 मार्च से गैस कनेक्शनधारकों को नहीं मिलेगा केरोसीन

भरतपुर- जिले के सभी एसबीसी गैस कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं को डीबीसी गैस कनेक्शन में परिवर्तित किया जायेगा। जिला कलक्टर श्री जीपी शुक्ला ने जिले की सभी गैस ऐजेन्सियों को निर्देश दिये हैं कि जो भी उपभोक्ता अपने एसबीसी गैस कनेक्शन को डीबीसी गैस कनेक्शन में परिवर्तित कराने के लिये आवेदन करें तो उसे यथाशीघ्र डीबीसी गैस कनेक्शन में परिवर्तित करें। उन्होंने कहा है कि यदि कोई ऐजेन्सी डीबीसी गैस कनेक्शन में आनाकानी करे अथवा गैस कनेक्शन के साथ अन्य किसी भी प्रकार की सामग्री लेने हेतु बाध्य करे तो ऐसे प्रकरणों में जिला रसद अधिकारी द्वारा संबंधित गैस ऐजेन्सी के विरूद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने जिले में स्थित सभी उचित मूल्य दुकानदारों को भी निर्देशित किया है कि वे सूचना पट्ट पर इस आशय की सूचना आवश्यक रूप से अंकित करें कि "सभी एसबीसी गैस कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि आगामी १ मार्च २०१३ से उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली का केरोसीन नहीं दिया जायेगा अत: ऐसे सभी उपभोक्ता अपने से संबंधित गैस ऐजेन्सी पर एसबीसी से डीबीसी गैस कनेक्शन में परिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत कर मार्च माह से पूर्व डीबीसी गैस कनेक्शन में आवश्यक रूप से परिवर्तित करा लें।

इसी प्रकार "एसबीसी गैस कनेक्शनधारी उपभोक्ता को १ मार्च २०१३ से केरोसीन देय नहीं होगा" आश्य की मोहर प्रत्येक एसबीसी गैस कनेक्शनधारी केरोसीन उपभोक्ता के राशन कार्ड पर लगाना उचित मूल्य दुकानदार सुनिश्चित करेंगे। इसी प्रकार १ मार्च २०१३ से केवल बिना गैस कनेक्शनधारी शहरी व ग्रामीण उपभोक्ताओं को एक समान मात्रा तीन लीटर केरोसीन प्रति राशन कार्ड प्रति माह दिया जायेगा जबकि एसबीसी एवं डीबीसी गैस उपभोक्ताओं को केरोसीन देय नहीं होगा।

नगरपालिका एवं पंचायतीराज संस्थाओं के उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित

जयपुर– राज्य निर्वाचन आयोग ने राज्य के ५ जिलों की ६ नगर पालिकाओं के ७ वार्डों एवं नागौर जिले के उप सभापति के एवं पंचायती राज संस्थाओं के रिक्त हुए पदों को भरने के लिए उप चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव के अनुसार नगर पालिका उप चुनाव जैसलमेर की पोकरण नगर पालिका के वार्ड नं. ७ (अनुसूचित जाति), नागौर नगरपालिका के वार्ड नं. ३४ (अनुसूचित जाति), व वार्ड नं. २४ (सामान्य) एवं कुचामन नगर पालिका के वार्ड नं. २७ (अ.पि.वर्ग), पाली की सोजट नगर पालिका के वार्ड नं. ६ (सामान्य), सीकर की श्री माधोपुर नगरपालिका के वार्ड नं. १ (अनुसूचित जाति) एवं श्री गंगानगर की करणपुर नगरपालिका के वार्ड नं. ७ (सामान्य) एवं नागौर के उप सभापति के लिए १४ फरवरी, गुरूवार को लोक सूचना जारी की।

१८ फरवरी सोमवार को प्रातः १०.३० बजे से अपरान्ह ३ बजे तक नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि होगी। १९ फरवरी, मंगलवार को नामांकन पत्रों की संवीक्षा होगी तथा २१ फरवरी, गुरूवार अपरान्ह ३ बजे तक अभ्यर्थिता वापिस ली जा सकेगी।

कार्यक्रम के अनुसार मतदान आश्यक होने पर २२ फरवरी, शुक्रवार को चुनाव चिन्हों का आवंटन, २८ फरवरी गुरूवार को प्रातः ८ बजे से सायं ५ बजे तक मतदान, २ मार्च, शनिवार को प्रातः ८ बजे मतगणना होगी तथा ४ मार्च, सोमवार को जिला नागौर हेतु उप सभापति का चुनाव होगा। इसी प्रकार पंचायत राज संस्थाओं में विभिन्न कारणों से रिक्त हुए जिला परिषद सदस्यों के २ पद, प्रधान का एक पद, पंचायत समिति सदस्यों के १२ पद तथा सरपंचो के २३ पद एवं उप सरपंचों के २७ पद एवं पंचों के २८३ पदों को भरने के लिए उप चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार जिला परिषदों/ पंचायत समिति सदस्यों के उप चुनाव के लिए १४ फरवरी को अधिसूचना जारी की जाएंगी तथा १८ फरवरी सोमवार को पूर्वान्ह ११ बजे से अपरान्ह ३ बजे तक नाम निर्देशकों को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि होगी, १९ फरवरी मंगलवार पूर्वाह्न ११ बजे नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी तथा २० फरवरी बुधवार को पूर्वाह्न १० बजे से अपरान्ह ३ बजे तक नाम निर्देशन पत्र वापिस लेने की अंतिम तिथि होगी। २० फरवरी बुधवार को अपरान्ह ३ बजे बाद चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जायेगा। २८ फरवरी गुरूवार को आवश्यक हुआ तो मतदान करवाया जायेगा। मतदान का समय प्रातः ८ बजे से सायं ५ बजे तक का होगा तथा २ मार्च को प्रातः ८ बजे से जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्धारित स्थानों पर मतगणना होगी। ४ मार्च को प्रधान/उप प्रधान का चुनाव होगें।

इसी प्रकार पंच/सरपंचों उप चुनाव के लिए १४ फरवरी वार गुरूवार को लोक नोटिस जारी किया जाएगा तथा २२ फरवरी शुक्रवार को नाम निर्देशन दरों की प्राप्ति, संवीक्षा व वापिसी, प्रातः ८ बजे से ११ बजे तक का नाम निर्देशनों की प्राप्ति, ११.३० बजे से नाम निर्देशनों की संवीक्षा औरअपरान्ह ३ बजे तक अभ्यार्थिता वापिसी का समय होगा। २८ फरवरी गुरूवार को यदि आवश्यक हुआ तो मतदान करवाया जाएगा जिसका समय प्रातः ८ बजे से ५ बजे तक का होगा। इसी दिन २८ फरवरी को ही मतदान समाप्ति के तुरन्त पश्चात् मतों की गणना की जाएगी।

एक मार्च शुक्रवार को उप सरपंच का उप चुनाव करवाया जायेगा। उन्होंने बताया कि उक्त स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनाव कराने के लिए एक जनवरी, २०१२ की अर्हता तिथि के आधार पर तैयार मतदाता सूची का उपयोग किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता संबंधित नगरपालिका एवं ग्राम पंचायत के निर्वाचन क्षेत्रों में लागू हो गयी है जो चुनाव समाप्त होने तक प्रभावी रहेगी।

नगरपालिकाओं के रिक्त स्थानों के उप चुनाव के लिए मतदान इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन से करवाया जायेगा तथा पंचायतीराज संस्थाओं के उप चुनाव के लिए मतदान परम्परागत मतपेटी मत पत्रों से ही होगा।

उन्होंने बताया कि मतदान डालने के लिए मतदाता को अपनी पहचान के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा, यदि मतदाता के पास पहचान पत्र नहीं है तो राशन कार्ड, बीपीएल कार्ड, पारिवारिक नरेगा कार्ड, स्वास्थ्य बीमा कार्ड स्वतंत्रता सैनानी पहचान पत्र, पेंशन दस्तावेज, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, छात्र पहचान पत्र, विकलांग पहचान पत्र, ड्राईविंग लाइसेंस, सम्पति दस्तावेज, बैंक/ डाकघर, किसान पास बुक, सेवा पहचान पत्र, आयकर पहचान पत्र, पासपोर्ट एवं सस्त्र लाइसेंस में से किसी एक दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा जो एक फरवरी २०१३ से पूर्व का हो।

उन्होंने बताया कि यदि परिवार के मुखिया के पास उक्त फोटो दस्तावेज है और उस परिवार के किसी सदस्य के पास नहीं है, तो परिवार के मुखिया की पहचान के आधार पर भी मतदाता की पहचान स्थापित की जा सकती है, बशर्ते कि परिवार का मुखिया भी साथ है।

उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की हैं कि वे मतदान के समय आयोग के उक्त आदेश के तहत दस्तावेजों को साथ लाये जिससे मतदान शांति पूर्वक एवं निष्पक्षता से सम्पन्न हो सकें।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना की ७ अप्रैल से

अजमेर संभाग के चयनित चिकित्सालयों में शुरूआत प्रभावी रूप से हो -संभागीय आयुक्त

अजमेर, संभागीय आयुक्त श्रीमती किरण सोनी गुप्ता ने चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर कहा है कि आगामी ७ अप्रेल से विश्व स्वास्थ्य दिवस पर राज्य में शुरू होने वाली मुख्यमंत्राी निशुल्क जांच योजना अजमेर संभाग के चयनित चिकित्सालयों में प्रभावी रूप से शुरू होनी चाहिए और इसके लिए संसाधनों के प्रस्ताव तुरन्त प्रस्तुत किये जाये साथ ही योजना के तहत अस्पताल में आने वाले मरीजों की सुविधाओं के विस्तार और निर्धारित ५७ प्रकार की निशुल्क जांचों के लिए आवश्यक निर्माण, चिकित्सा उपकरण संसाधन की उपलब्धता के लिए अभी से ही पुख्ता रूप से तैयारियां शुरू करने की जरूरत है।

संभागीय आयुक्त आज राजकीय जनाना अस्पताल के अधीक्षक के कक्ष में मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना के संबंध में चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की संभाग स्तरीय बैठक ले रही थीं। उन्होंने कहा कि योजना के शुभारम्भ और क्रियान्वन की तैयारियां निर्धारित तिथि से एक सप्ताह पूर्व सुनिश्चित हो जानी चाहिए। उन्होंने राजकीय जनाना और जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में योजना के तहत बायोकेमेस्ट्री, हीमोग्लोबिन, एक्सरे और सोनोग्राफी सेवाओं के विस्तार के लिए प्रयोगशालाओं के विस्तार प्रबन्धन, आधुनिकीकरण, स्वच्छता, एक्सरे व चिकित्सालय की रंगाई,पुताई के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

चिकित्सालयों में हैल्प डेक्स और जांच काउन्टर की सुविधा हो

संभागीय आयुक्त ने संयुक्त निदेशक डॉ. वी.के. माथुर, जनाना अस्पताल की अधीक्षक डॉ. सुमन शर्मा तथा जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अशोक चौधरी से कहा कि अजमेर के आदर्शनगर सेटेलाईट चिकित्सालय सहित सभी में मुख्यमंत्राी निशुल्क जांच योजना के बारे में जानकारी देने वाला फ्लेक्स लगाया जाये जिसे पढ़कर अस्पताल में आने वाले व्यक्ति यह स्पष्ट रूप से समझ सकें की योजना के तहत सरकार ने उन्हें कौन-कौन सी प्रकार की जांच निशुल्क उपलब्ध कराई हैं।

श्रीमती गुप्ता ने अस्पताल में मरीजों की सुविधानुसार हैल्प डैक्स स्थापित करने और उस पर ऐसे जिम्मेदार व्यक्ति को नियुक्त करने की बात कही जो कि अस्पताल में आने वाले व्यक्तियों को योजना के बारे में भली भांति बता सके। उन्होंने इसके लिए अस्पताल के मुख्य द्वार व जांच प्रभाग स्थल का मोडिफिकेशन एवं अतिरिक्त व्यवस्थाएं करने के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने योजना को शुरू करने के लिए जरूरत पड़ने वाले मानव श्रम संसाधन, तकनीशियन, रेडियोग्राफर्स, रेकार्ड कीपर, वार्ड बॉय, सफाई कर्मचारी आदि की उपलब्धता और रिक्तियों के संबंध में विस्तार से विचार विमर्श कर उपलब्ध सुविधाओं में विस्तार कर योजना को अच्छे से अच्छे तरीके से संचालित करने को कहा।

संभागीय आयुक्त ने बैठक में सभी अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया की योजनाओं के कियान्वन में उन्हें अपनी जिम्मेदारी निर्वहन में खरा उतरना है और यह जवाब बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा कि मरीजों को जांच चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा सकती। कार्यभार बढ़ने पर वैकल्पिक व्यवस्थाएं तैयार रखें।

डाक्टर्स जैसे सोच समझकर दवाईयां लिखते हैं, वैसे ही जांच भी लिखें

संभागीय आयुक्त ने डाक्टर्स से कहा है कि जिस प्रकार वे बीमारी के लक्षण देखकर और उसकी रोकथाम के लिए सोच समझकर दवाईयां लिखते हैं, उसी प्रकार जरूरी जांचें भी लिखें जिससे की योजना के क्रियान्वन में सरलता आये। उन्होंने योजना में लोगों को प्रशिक्षित करने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार करने पर बल देते हुए आई.ई.सी.मोड्यूल बनाने की बात भी कही और गर्मी को देखते हुए अस्पतालों में पेयजल की पर्याप्त सुविधा बनाये रखने को कहा।

उन्होंने नगर सुधार न्यास के सचिव के.सी.वर्मा से कहा कि वे अपने तकनीकी अभियंता के साथ जवाहर लाल नेहरू एवं जनाना चिकित्सालय का मौका मुआयना कर आवश्यक निर्माण कार्यों की कराने की कार्यवाही अभी से ही शुरू कर दें।

अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर श्री जे.के. पुरोहित ने योजना के क्रियान्वन में तत्कालीन निर्माण व मरम्मत के प्रस्ताव जल्दी से जल्दी से प्रस्तुत करने, मानव श्रम संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी बात कही। संयुक्त निदेशक डॉ. वी.के. माथुर ने बताया कि मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना आगामी ७ अप्रेल से अजमेर के राजकीय जवाहर लाल नेहरू, राजकीय जनाना व आदर्श नगर सेटेलाईट चिकित्सालय के अतिरिक्त संभाग के राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय, ब्यावर, यज्ञनारायण चिकित्सालय किशनगढ़, नसीराबाद, केकड़ी के अतिरिक्त भीलवाड़ा, टोंक, शाहपुरा, लाडनूँ, डीडवाना और नागौर के चिकित्सालयों में शुरू होगी। तीन चरण में क्रियान्वित होने वाली इस योजना का पहला चरण ७ अप्रेल से दूसरा एक जुलाई से तथा तीसरा चरण १५ अगस्त से शुरू किया जायेगा। प्रथम चरण में मेडीकल कॉलेज जिला चिकित्सालय एवं उपजिला चिकित्सालय एवं सेटेलाईट चिकित्सालयों को लिया गया है। द्वितीय चरण में सामुदायिक तथा तृतीय चरण में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में इस योजना का शुभारम्भ होगा।

जनाना चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. सुमन शर्मा ने बताया कि योजना के क्रियान्वयन के लिए अस्पताल में २ पाईन्ट बनाये गये हैं। योजना के तहत निशुल्क की जाने वाली काफी जांचों की व्यवस्था जननी शिशु सुरक्षा योजना में पूर्व में ही उपलब्ध हैं।

बैठक में जवाहर लाल नेहरू मेडीकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पी.के.सारस्वत, डॉ. विजय लक्ष्मी धबाई, अभियंता वी.के.जैन, उपनिदेशक श्रीमती रूद्रा रेणु सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी मौजूद थे।

किसान प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व बैठक

किसान और कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार सदैव प्रयत्नशील - मुख्यमंत्री

जयपुर- मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि किसान और कृषि सदैव हमारी प्राथमिकताओं में रहे हैं और इसी उद्देश्य से आगामी बजट २०१३-१४ से पहले किसानों के महत्वपूर्ण सुझाव ले रहे हैं, जिससे कृषि क्षेत्र का विकास हो और किसानों को अधिक आर्थिक लाभ मिले।

श्री गहलोत बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में किसानों एवं उपनिवेशन सिंचित क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हर साल बजट से पहले इस तरह की बैठक रखी जाती है, पहले हुई बैठकों में आपने सरकार को जो सुझाव दिए थे, उनके आधार पर जो संभव हुआ वो फैसले लिए गए और उनका असर भी कृषि क्षेत्र में प्रदेश में देखने को मिला।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में कृषि नीति का बनना एक बडी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि किसान आयोग का भी पुनगर्ठन किया गया, जिसकी सिफारिशें आती रहती हैं, जिनको ध्यान में रखकर फैसले लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे किसान जानकार हैं, अनुभवी हैं और कृषि के लिए समर्पित हैं, उनकी क्या भावना है, उनके क्या विचार हैं इसी को जानने के लिए यह बैठक आयोजित की गई है।

श्री गहलोत ने कहा कि कृषि को बढावा देने के लिए सरकार बजट में क्या प्रावधान कर सकती है, इस पर आप सुझाव दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की सदैव हितैषी रही है, किसानों के हित में ही सरकार ने बिजली दरें पांच वर्ष तक नहीं बढाने का निर्णय लिया, जिस पर हम कायम हैं और राज्य सरकार पांच हजार करोड रुपए प्रतिवर्ष बिजली कंपनियों को भुगतान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रतिवर्ष किसानों को करीब दस हजार करोड रुपए का ऋण दे रही है, चार साल पहले तक यह राशि केवल ढाई हजार करोड रुपए ही थी। उन्होंने कहा कि एक लाख रुपए का ऋण समय पर चुकाने पर कोई ब्याज भी नहीं लिया जा रहा। उन्होंने कहा कृषि को बढावा देने के लिए भतरपुर में फूड प्रोसेसिंग सेंटर बनाया जा रहा है। साथ ही पशुपालकों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री निःशुल्क पशुधन दवा योजना लागू की गई है, जिससे पशुपालकों को महंगी दवाइयां मुफ्त मिल रही हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों को सभी जानकारियां एक छत के नीचे उपलब्ध करवाने लिए राजीव गांधी भारत निर्माण सेवा केंद्रों के पास ही किसान सेवा केंद्र बनाए जाएंगे, जिसमें किसानों को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध होंगी, इसके लिए नाबार्ड से तीन सौ करोड रुपए का ऋण लिया गया है।

श्री गहलोत ने कहा कि किसानों को सौलर आधारित पम्प सैट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और इस पर ८६ प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सबसे बडी चुनौती पानी की उपलब्धता है, कुओं का जलस्तर नीचे चला गया है, अधिकतर ब्लॉक डार्क जोन हो गए हैं। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे इस स्थिति को देखते हुए इजरायल में उपयोग लाई जा रही बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति को अपनाएं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पाला और शीतलहर पर पहली बार मुआवजा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में चलाए जा रहे फ्लैगशिप कार्यक्रमों में आप भागीदारी निभाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि कृषि का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार हो और यह क्षेत्र मजबूत हो। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग में कई नए पद भी सृजित किए गए हैं।

श्री गहलोत ने कहा कि प्रदेश को कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए लगातार दो वर्षों से कृषि कर्मण पुरस्कार मिला है, जो किसानों की मेहनत का फल है।

कृषि मंत्री श्री हरजीराम बुरडक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की सोच का ही परिणाम है कि आज इस सूखे प्रदेश को लगातार दो वर्ष कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए कृषि कर्मण जैसे पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान ही एकमात्र प्रदेश है, जहां किसानों को पुरस्कार दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों का हौसला बढाने के लिए राज्य सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इन्हीं का परिणाम है कि यहां कृषि उत्पादन तेजी से बढ रहा है। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे बूंद-बूंद एवं फव्वारा सिंचाई पद्धति का उपयोग करें ताकि कम पानी में भी अधिक उत्पादन संभव हो सके। उन्होंने कहा कि उत्पादन पर ही किसानों की आर्थिक स्थिति निर्भर करती है।

श्री बुरडक ने कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा किसानों का ध्यान रखा है और उनके हित में अधिक से अधिक योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में आए सभी किसान प्रतिनिधि उपयोगी सुझाव दें ताकि बजट में किसानों के हित में प्रावधान किए जा सकें।

प्रारंभ में प्रमुख शासन सचिव, कृषि, श्री डी.बी. गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि प्रदेश में किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए ४९६ प्रगतिशील किसानों को पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भण्डार क्षमता ८.५० लाख मीट्रिक टन है, जिसमें २२.५० लाख मीट्रिक टन क्षमता और बढाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक में राजस्व मंत्री श्री हेमाराम चौधरी, उर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह, सहकारिता मंत्री श्री परसादी लाल मीणा, आपदा प्रबंधन राज्यमंत्री श्री बृजेंद्र ओला, कृषि विपणन राज्यमंत्री श्री गुरमीत सिंह कुन्नर, कृषि राज्यमंत्री श्री विनोद चौधरी, कृषि शिक्षा राज्यमंत्री श्री मुरारीलाल मीणा, राज्य बीज निगम के अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र राठौड, राज्य आयोजना बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री वी.एस. व्यास, मुख्य सचिव श्री सी.के. मैथ्यू सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी एवं बडी संख्या में किसान प्रतिनिधि उपस्थित थे।

HINDCHEM CORPORATION

Wholesale supplier of Fertilizers & Pesticides throughout the nation.

Contact Person: **Mr. Alpesh Mathur** Mob: 09829220788

PLOT NO. B-81-82, NEELGIRI COLONY, BEHIND NEW ANAJ MANDI, OPPOSITE ROAD NO. 9, VKI AREA, JAIPUR-302013 PH: 0141-3130277

किसानों एवं उपनिवेशन सिंचित क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व बैठक में आए सुझाव

जयपुर- मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किसानों एवं उपनिवेशन सिंचित क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व बैठक में किसान प्रतिनिधियों ने सुझाव दिए।

किसान प्रतिनिधियों ने बताया कि किसानों को कीटनाशनक सस्ती दरों पर उपलब्ध कराए जाएं ताकि कम्पनियां किसानों से मनमाने दाम नहीं वसूल सकें। फसल बीमा योजना में अभी ग्राम पंचायत को इकाई नहीं माना गया है। पंचायत मुख्यालय को इकाई माना जाए, इससे किसानों को फायदा होगा। कृषि यंत्रों व उपकरणों पर ज्यादा से ज्यादा सब्सिडी दी जाए। जो किसान तिलहन एवं दलहन उत्पादन करते हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाए और उपज का अच्छा मूल्य दिलाया जाए। कृषि को लाभकारी बनाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को उपज का सही लाभ मिले। डेयरी के आधुनिकीकरण के लिए बजट और बढाया जाए। लघु सीमांत कृषकों के किसी भी वर्ग के बच्चों की पढाई के लिए छात्रवृत्ति का प्रावधान किया जाए। मनरेगा योजना को कृषि से जोडा जाए। साथ ही मनरेगा के तहत निजी शौचालय बनाए जाएं और गोबर गैस प्लांट लगाए जाएं। औषधीय फसलों पर सब्सिडी एवं इन फसलों का उचित दाम मिले। किसानों को बिजली दिन में दी जाए। लागत के अनुपात में कृषि उपज का मूल्य निर्धारित किया जाए तथा किसान आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाने के सुझाव दिये।

बैठक के अंत में कृषि मंत्री श्री हरजीराम बुरडक ने बैठक में उपस्थित सभी किसान प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सोयाबीन का औषधीय महत्त्व

सोयाबीन की पौष्टिकता को देखते हुये इसे हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न रूपों में प्रयोग किया जा सकता है सोयाबीन के प्रसंस्करण से विभिन्न पदार्थ बनाये जा सकते हैं जिनका हम अपने घर में उपयोग करने के साथ साथ अपना घरेलू उद्योग भी प्रारम्भ कर सकते हैं उद्यमों की स्थापना तथा बेरोजगारों को रोजगार प्रदान करने में सोयाबीन प्रसंस्करण काफी हद तक मददगार सिद्ध हो सकता है। इसका लाभ उठाने के लिये तथा सोया पदार्थों की ग्रामीण जरूरतों को पूरा करने के लिये देहातों / कस्बों में ऐसे उद्यमों की स्थापना करनी चाहिये जिससे वहां के लोगों की जरुरतें पूरी होने के साथ साथ उनको रोजगार स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सके तथा उनको शहर की ओर रुख करने की आवश्यकता महसूस न हो साथ छोटे शहरों में सोयाबीन पर आधारित उद्यमों को प्रोत्साहन मिलने से शहरवासियों को कम दाम पर अच्छी गुणवत्ता वाला प्रोटीन उपलब्ध हो सके। यह तरीका अपनाने से प्रसंस्करण के लिये कच्चे माल को शहर की तरफ जाने तथा प्रसंस्कृत पदार्थ को देहात में वापस ले आने में परिवहन व्यय तथा इसके रख रखाव में होने वाली हानियों को कम किया जा सकता है। ग्रामों तथा शहरों में सोयाबीन का प्रसंस्करण करते समय तथा उद्यमों का चयन करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिये कि जो खाद्य पदार्थ तैयार करने की इकाई लगाई जा रही है उस पदार्थ में लोगों की रुचि या पसन्द अवश्य हो। जो पदार्थ उस क्षेत्र में पारम्परिक रूप से प्रचलन में हो तथा स्थानीय लोगों के खान पान / आहार का एक हिस्सा हो उनके आधार पर तथा स्थानीय मांग के अनुरूप सोयाबीन का उद्यम स्थापित करना लाभप्रद सिद्ध हो सकता है सोयाबीन को प्रयोग करने के मुख्य तरीके निम्न प्रकार हैं –

१– सोयाबीन का आटा

साफ सोयाबीन को उबलते पानी में २० मिनट के लिये उबालें और उसके बाद पानी से निकालकर धूप में सुखायें एबं सूखने पर पिसवा कर रखें सोयाबीन का आटा तैयार है। सोयाबीन के तैयार आटे को गेंहू के आटे या बेसन के साथ विभिन्न खाद्य पदार्थ बनाने के लिये मिलाया जा सकता है सूखे हुये सोयाबीन को गेंहूं या चने के साथ भी पिसवाया जा सकता है लेकिन गेहूं तथा सोयाबीन का अनुपात १: ९ का होना चाहिये।

२– सोयाबीन दूध / पेय

साफ किये हुये सोयाबीन या सोयाबीन की दाल को भिगोकर ६–८ घंटे के लिये रख दें। तत्पश्चात १ भाग सोयाबीन तथा ६ भाग पानी के साथ मिक्सी या ग्राइन्डर में पीसें तथा तैयार स्लरी को १० मिनट के लिये उबालें तत्पश्चात मलमल के कपडे से छान लें और स्वाद अनुसार चीनी मिलायें। ठंडा करने पर मनपसंद की खुशबू मिलायें। लीजिये सोयाबीन दूध तैयार है। तथा इस प्रकार १ किलोग्राम सोयाबीन से लगभग ६ लीटर दूध तैयार हो जाता है।

३– सोया पनीर

सोया पनीर सोयाबीन का सर्वोत्तम खाद्य पदार्थ है तथा आसानी से पाचन हो जाता है। आइसोफ्लेवान की मात्रा इसमें सर्वाधिक मिलती है तथा यह देखने में दूध के पनीर जैसा लगता है जापान में इसको टोफू कहते हैं इसको भी आसानी से घर पर बनाया जा सकता है। इसको बनाने के लिये साफ सोयाबीन को उबलते पानी में डालकर गरम करें तथा फिर ठंडे पानी में ३/४ घंटे के लिये भिगो दें। तत्पश्चात मिक्सी में गरम पानी के साथ १:९ के अनुपात में पीस लें तथा मलमल के कपडे से छान लें दूध के समान तरल पदार्थ को उबालें तथा ५ मिनट पश्चात कैल्शियम क्लोराइड के घोल से फाड दें तथा ५ मिनट के लिये बिना हिलाये डुलाये रख दें फिर मलमल के कपडे में दबाकर रख दें लगभग १० मिनट बाद कपडे से निकालकर

सोयाबीन में उपस्थित प्रोटीन व आहरिक रेशे पाये जाने के कारण इससे रक्त में ग्लूकोज की मात्रा कम होती है जिससे खून की कमी होने से रोकता है तथा सोयाबीन में आयरन की मात्रा अधिक होने के कारण यह एनीमिया को भी नियन्त्रित करता है। सोयाबीन में पाई जाने वाली प्रोटीन से हमारे शरीर के रक्त में हानिकारक कोलेस्ट्रोल की मात्रा भी कम होती है। जिससे हृदय रोग की संभावनाये कम होती है। सोयाबीन में पाये जाने वाले आइसोफ्लोविन रसायन के कारण महिलाओं से सम्बन्धित रोग व स्तन कैंसर से बचाव करता है।

टुकडों में विभाजित कर दें। पानी में डुबोकर रखने से इसे २४ घंटे तक खराब होने से बचा कर रखा जा सकता है। सोयाबीन के बने पनीर को उन सभी स्थानो पर उपयोग किया जा सकता है जहां कि दूध का पनीर उपयोग किया जाता है। इस प्रकार १ किलो सोयाबीन से लगभग १–५ से २ किलोग्राम पनीर बनाया जा सकता है। सोया पनीर सेचुरेटेड वसा से रहित होता है तथा मधुमेह व दिल के मरीजों के लिये प्रोटीन का कम कीमत का स्त्रोत है।

४– वसा रहित आटे का उपयोग

सोयाबीन का वसारहित आटा प्रोटीन का बहुत ही अच्छा स्त्रोत है इसमें ५०–६० प्रतिशत प्रोटीन होता है और इसमें बीन की गन्ध भी बहुत कम आती है इसको आसानी से प्रयोग में लाया जा सकता है गेहूं के आटे में मिलाकर सभी गेहूं के आटे से बनने वाले व्यंजन बनाये जा सकते हैं जैसे – रोटी, डबलरोटी, पूडी पराठा, समोसे, हल्वा आदि खाद्य पदार्थों में ३० प्रतिशत मिलाने पर भी स्वाद में अन्तर नहीं आता है। वसा रहित आटे को बेसन के साथ भी मिलाया जा सकता है। बेसन के सेब (नमकीन) बनाने में इसको ४० % तक स्वाद मे बिना अंतर आये मिलाया जा सकता है। तथा वसा रहित आटा मिलाने पर बेसन के नमकीन का रंग व कुरकुरापन बढ जाता है। इसी प्रकार बेसन का हलुआ बनाने में भी २०% तक सोयाबीन आटा मिलाया जा सकता है। बेसन में मिलाने पर खाद्य पदार्थों की पोष्टिक गुण वत्ता बढने के साथ साथ कीमत भी कम हो जाती है।

५– सोयाबीन पापड

घरों में पापड सामान्यत उडद या मूंग की दाल से बनाये जाते है। पापड के लिये भी वसा रहित सोयाबीन के आटे को तैयार कर अन्य दालों के आटे के साथ मिलाकर पापड बनाने में उपयोग कर सकते हैं शोध द्वारा यह ज्ञात हो चुका है कि वसा रहित सोयाबीन का आटा पापड बनाने के लिये ८०% तक प्रयोग में लाया जा सकता है।

६– सोयाबीन नमकीन

साफ सोयाबीन को नमक के घोल में २० मिनट तक उबालें तथा बाद में नमक के घोल से निकालकर ५ मिनट के लिये पंखे के नीचे फैला दें तथा फिर गरम तेल में तल लें और फिर चाट मसाला स्वाद अनुसार मिला लें सोया नमकीन तैयार है।

७– अंकुरित सोयाबीन का नाश्ता

सोयाबीन २ भाग तथा १भाग चना तथा १ भाग मूंग को पानी में भिगोकर रात भर रखना चाहिये तथा इसके लिये तीनों दालों को अलग अलग कपडे में बांध कर ६–८ घंटे भिगोकर रखें तथा जब अंकुरण ह जाये तो साफ पानी से धोकर अंकुरित सोया दालों को हल्की भाप में पका लेना चाहिये। तथा बाद में तीनों को मिलाकर हरा धनिया,प्याज,टमाटर,मिर्च तथा नमक व नींबू स्वाद अनुसार मिलाकर नाश्ते में उपयोग किया जा सकता है।

८– सोयाबीन की बडी

सोयाबीन १०० ग्राम,मूंग दाल १०० ग्राम,चना दाल १०० ग्राम,उडद दाल १०० ग्राम तथा कुम्हडा किसा हुआ ५०० ग्राम हरी मिर्च, अदरक, हींग स्वादअनुसार। सभी दालों को ८–१० घंटे के लिये पानी में भिगो दें उसके बाद अच्छी तरह साफ पानी से धो लें तथा इसमें सोयाबीन को छिलके निकालकर धोयें। इसके बाद में सभी दालों को पीस कर उसमें किसा हुआ कुम्हडा व मसाले मिलायें तथा इसकी बडी बनाकर धूप में सुखा लें व हवा बंद डिब्बे में रखें एवं आवश्यकतानुसार उपयोग करें।

सोयाबीन के उपयोग में सावधानी

सोयाबीन में कुछ ऐसे तत्व पाये जाते हैं जो कि सामान्य पोषण के पाचन में बाधा डाल सकते हैं इसलिये इन तत्वों के बुरे प्रभाव को दूर करने के लिये हमें सोयाबीन के बने खाद्य पदार्थों को या उन्हे बनाने से पहले सोयाबीन को कम से कम १५ मिनट के लिये १०० डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर गरम कर लेना चाहिये एवं कभी भी कच्चे सोयाबीन का सेवन नहीं करना चाहिये।

■■■

विकास योजनाओं का लाभ लेने ग्रामीण आगे आएं-चन्द्रेशकुमारी

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री ने लोकार्पण समारोहों में ग्रामीणों से किया आह्वान

जैसलमेर, १२ फरवरी/केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्रीमती चन्द्रेशकुमारी ने ग्रामीणों से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर विकास की मुख्य धारा में आने तथा ग्रामीण विकास को सुदृढ़ आधार प्रदान करने का आह्वान किया है।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्रीमती चन्द्रेश कुमारी ने मंगलवार को जैसलमेर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित समारोहों को मुख्य अतिथि पद से संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। इन कार्यक्रमों में पोकरण विधायक शाले मोहम्मद, जिलाप्रमुख अब्दुला फकीर, प्रधान वहीदुल्ला मेहर एवं मूलाराम चौधरी, ठा. नागेन्द्रसिंह, पोकरण नगरपालिकाध्यक्ष श्रीमती छोटेश्वरीदेवी सहित ग्राम पंचायतों के सरपंचों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने विचार व्यक्त किए।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्रीमती चन्द्रेशकुमारी ने पोकरण में क्षेत्रीय विधायक शाले मोहम्मद द्वारा विधायक स्थानीय क्षेत्रा विकास योजना में प्रदत्त ३ लाख रुपए धनराशि से निर्मित कुम्हार समाज के सामुदायिक भवन का लोकार्पण करने के साथ ही लोहारकी, अजासर, आसकन्द्रा, सत्याया, अवाय एवं चिन्नू ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर निर्मित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्रों का लोकार्पण किया। जबकि नाचना में २५ लाख की लागत से नवनिर्मित विश्राम भवन का लोकार्पण किया गया। इन सभी स्थानों पर केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्रीमती चन्द्रेशकुमारी ने फीता काटा तथा उद्घाटन पट्टिकाओं का अनावरण कर लोकार्पण किया।

ग्रामीणों की जागरुकता ही विकास का मूलाधार - इन समारोहों में अपने उद्बोधन में केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्रीमती चन्द्रेशकुमारी ने ग्रामीणों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि गांवों और गरीबों तथा हर प्रकार के जरूरतमन्दों के कल्याण के लिए ढेरों योजनाएं हैं जिनका लाभ लेने ग्रामीणों को पूरी जागरुकता से आगे आना चाहिए।

उन्होंने महानरेगा को ऐतिहासिक बताया और कहा कि इससे ग्रामीणों की हैसियत में सुधार आया है और पलायन रुका है। इसके साथ ही फ्लेगशिप योजनाओं, निःशुल्क आवास, पशुओं एवं मनुष्यों की दवा योजना, अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, जननी शिशु सुरक्षा जैसी कई योजनाओं ने प्रदेश की तस्वीर बदल कर रख दी है।

शिक्षा को अपनाएं, नौकरियां पाएं - उन्होंने पश्चिमी राजस्थान में शिक्षा के प्रति विशेष जागरुकता पर जोर दिया और ग्रामीणों से कहा कि वे शिक्षा पर सर्वाधिक जोर दें ताकि स्थानीय लोग अधिक से अधिक संख्या में सरकारी नौकरियां पा सकें और यहां विभिन्न पदों के अक्सर खाली रहने जैसी समस्याएं समाप्त हो सकें। उन्होंने राजस्थान प्रदेश के बहुआयामी विकास का कीर्तिमान स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तारीफ की और कहा कि आज राजस्थान योजनाओं के क्रियान्वयन तथा बहुमुखी विकास के मामले में देश के अग्रणी जिलों में शुमार है।

अधिकाधिक लोक सहभागिता जरूरी

उन्होंने मारवाड़ी लहजे में ग्रामीणों को आत्मीयता के साथ संबोधित किया और कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि योजनाओं का लाभ लेने के लिए हर स्तर पर पहल की जाए क्योंकि योजनाओं और कार्यक्रमों की कोई कमी नहीं है। इन सभी में ज्यादा से ज्यादा लोक सहभागिता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि गांवों में भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्रों की स्थापना ने ग्रामीणों को संचार क्रांति से जोड़कर शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध करायी हैं और इस मायने में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के स्वप्न साकार हो रहे हैं।

चार साल में बेहिसाब उपलिब्धयां

पोकरण विधायक शाले मोहम्मद ने विभिन्न कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए अपने क्षेत्रा में आगमन पर केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्रीमती चन्द्रेशकुमारी का स्वागत किया। उन्होंने ग्रामीणों को सरकार के चार साल के कार्यकाल में हुए ऐतिहासिक कार्यों को विस्तार से गिनाने के साथ ही पोकरण क्षेत्रा में हुए विकास कार्यों को सिलसिलेवार बताया और कहा कि इतना विकास इससे पहले दशकों में भी नहीं हो पाया। उन्होंने पोकरण में पेयजल प्रबन्धन के साथ ही २१ जीएसएस निर्माण तथा चिकित्सालय में चिकित्सा संसाधनों के विस्तार की चर्चा की और कहा कि अस्पताल में ५० से ७५ शैय्याएं हो गई हैं जिसे और बढ़ाकर सौ शैय्याओं वाला अस्पताल किया जाएगा।

हर वर्ग के लिए विकास - उन्होंने किसानों के हित में सरकार द्वारा लागू महत्त्वाकांक्षी योजनाओं की चर्चा की और कहा कि ब्याजमुक्त ऋण योजना, उप निवेशन क्षेत्रा के किसानों के लिए ब्याजमाफी की छूट जैसे कार्य खूब लोकप्रिय रहे हैं। उन्होंने किसानों से इस प्रकार की तमाम योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ लेने की अपील की।

ग्रामीण विकास का सुनहरा दौर - जिलाप्रमुख अब्दुला फकीर ने ग्रामीण विकास की गतिविधियों के माध्यम से आए बदल ाव की चर्चा की और कहा कि सरकार ने ग्रामीण विकास की जो योजनाएं चलायी हैं उनकी बदौलत आज गांवों का विकास नए कीर्तिमान छूने लगा है। प्रधानों वहीदुल्ला मेहर एवं मूलाराम चौधरी ने प्रशासन गांवों के संग अभियान के साथ ही पंचायतीराज सशक्तिकरण एवं ग्राम्य विकास के तमाम आयामों पर चर्चा की।

श्मशान घाट चारदीवारी के लिए पांच लाख की घोषणा - पोकरण में उन्होंने वहां बिताए गए बचपन की स्मृतियों की याद ताजा की और क्षेत्रावासियों से अपने अनुभव बांटें।

पोकरण में केन्द्रीय संस्कृति मंत्री ने संबोधित करते हुए विकास का लाभ पाने के लिए शिक्षा और सजगता अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कुम्हार समाज के श्मशान घाट की चारदीवारी के लि ए सांसद मद से पांच लाख रुपए की धनराशि प्रदान किए जाने की घोषणा की। समाज की ओर से मोतीलाल ने आभार जताया।

ग्राम्यांचलों में भावभीना स्वागत - गांवों में केन्द्रीय संस्कृति मंत्री का ढोल-नगाड़ों, गुलदस्तों, पुष्पहारों, शालों आदि से भावभीना स्वागत किया और मंत्री बनने के बाद पहली बार ग्रामीण क्षेत्रों में आगमन पर अभिनंदन किया।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री का पोकरण में गोमट सरपंच इस्माईल खां मेहर, लोहारकी में सरपंच रईसा बानू, उपसरपंच मदन सेन, समाजसेवी एड्वोकेट रतन पुरोहित, छायण सरपंच मनोहरसिंह, आसकन्द्रा में सरपंच मूली कंवर, पूर्व सरपंच प्रभुराम एवं रतनसिंह, अजासर में सरपंच सपना कंवर, उपसरपंच अमानसिंह, सत्याया में सरपंच समदा देवी, समाजसेवी इन्द्रसिंह, हुकुमसिंह, नाचना में सरपंच चांदकंवर, समाजसेवी शिवनारायण चाण्डक, सत्यनारायण, उपसरपंच जलालदीन, अवाय में सरपंच अजयपालसिंह, चिनू में सरपंच नबू खां सहित विभिन्न स्थानों पर सरपंचों, उप सरपंचों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीणों ने भावभीना स्वागत किया।

समारोहों में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बल देवसिंह उज्ज्वल, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जगदीश गौड़, विकास अधिकारी रमेशचन्द्र माथुर एवं छोगालाल विश्नोई सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

मोटापे से परेशान सोनाक्षी सिन्हा!

(पान १ से) इसी वजह से सोनाक्षी को काफी नुकसान उठाना पड रहा है। जैसे तैसे फिल्में तो सोनाक्षी की चल निकलती हैं। लेकिन एड वर्ल्ड में सोना का जादू चल पा रहा है। जी हां, सोना को एड वर्ल्ड में कहा गया है कि पहले कमर पतली करो और फिर एड करो। दरअसल हुआ यू कि सोनाक्षी को एक एड का ऑफर दिया गया. जिसमें अपना वजन घटाने के लिए भी कह दिया गया। पर सोनाक्षी ने साफ इंकार कर दिया। जिसकी वजह से सोनाक्षी हो गई इस एड से बाहर। सूत्र ने बताया कि ये एड अब दीपिका पादूकोण के पास चला गया है। अब आप ही सोचिए कहां दीपिका और कहा सोनाक्षी। दीपिका स्लिम ट्रिम और सोनाक्षी तो है मोटी ताजी। एड वर्ल्ड में कदम रखना है तो सोना थोड़ी कसरत करनी ही होगी।

हिंदकेम कॉर्पोरेशन मुंबई द्वारा ग्राम सौलाना, जिला झुंझुनूं में किसान संगोष्ठी संपन्न

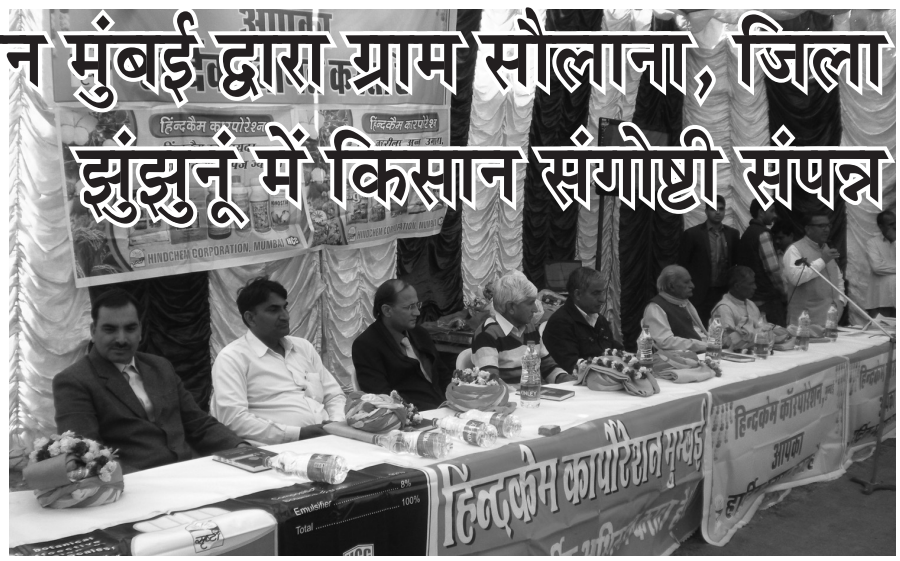

झुंझुनूं - हिंदकेम कॉर्पोरेशन मुंबई द्वारा माह जनवरी में एक किसान संगोष्ठी आयोजित कि गयी जिसमें कृषी विधान केंद्र आबूसर के डॉक्टर, एस.एम. मेहता मुख्य अतिथी थे। डॉ. मेहता ने किसानों को भूमी की उर्वरा शक्ती को सुधारने पर जोर दिया. डॉ. मेहताने किसानोंको मुख्य उर्वरत के साथ-साथ सूक्ष्म पोषक तत्व का भी प्रयोग करने के लिए कहा। संगोष्टी में राम निवास पूर्व सरपंच गोवला, सौलाना के सरपंच मोहर सिंग एवं पूर्व सरपंच मेहरपूर आशाराम का सम्मान किया गया। कृषी विज्ञान केंद्र के अधिकारी डॉ. मेहेंद्र सिंग ने भी किसानों को खेती संबंधीत जानकारी दी एवं उनके उपचार के बारे में बताया। कंपनी के पंजाब प्रभारीत विरेंद्र गुडी ने कंपनीके उत्पादन एवं उनके प्रयोग के बारे में जानकारी दी।

हिंदकेम कॉर्पोरेशन के एम डी श्री सुरेश शर्मा ने कंपनी के उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में बताते हुए कहा की कंपनी के उत्पाद किसानों के बीच लोकप्रिय हो गये है। श्री शर्माने कहा की कंपनी देश के कही राज्यों में कार्य कर रही हैं। हिंदकेम कॉर्पोरेशन की संयोगी कंपनी उदीत ओवरसीय प्रा. लि. के एम डी उदीत शर्माने भी किसानों को संबोधीत करते हुए कहा की खेती में यूवकों को आगे आना चाहिए एवं खेती में नई-नई तकनीक का प्रयोग करते हुए उपच को बढ़ाना चाहिए। संगोष्टी के अंत में कंपनी के राजस्थान प्रभारी अल्पेश माथूर ने सभी का आभार व्यक्त किया। संगोष्टी में कंपनी के प्रतिनिधी शेर सिंग मंजू एवं ग्राम सुलताना के वितरक प्रेम प्रकाश भी मौजूद थे। संगोष्टी में कंपनी के प्रतिनिधी शेरसिंग मंजू एवं ग्राम सौलाना के वितरक प्रेम प्रकाश और विद्याधर झाझार्डीया भी मौजूद थे।

श्री दादाजी अखारामजी की संक्षिप्त जीवनी

भावन भारत भूमि में राजस्थान की माटी तो प्राचिन काल से ही पुजनिय मानी जाती रही है, क्योंकि इस मरुधरा में सर्वाधिक देस्थान जो ठहरे, चाहे सालासर में श्री बालाजी हों या गोठमागलोद माताजी, मेंहदीपूर बालाजी हों या खादू श्यामजी या फिर रामदेवरा, रामदेवजी या झोटरन हरीरामजी, सालासर मोहनदासजी। ये सभी प्रसिद्ध देवस्थान, राजस्थान की गरिमा को बढ़ाते हैं। इसलिए अमूमन ऐसा माना जाता है कि जो कोई भक्तजन सच्चे मन से इन देवस्थानों के दर्शन लाभ ले लेता है, जीवन सफल हो जाता है।

इस आलौकिक धर्मस्थल का नाम है परसनेऊ शुभ धाम राजस्था के चुरु जिले में बीकानेर-रतनगढ़ रेल मार्ग पर स्थित है। इस धराधाम की महिमा अपरम्पार है क्योंकि यहाँ एक ऐसे सन्त ने जन्म लिया है जिनकी त्याग-तपस्या के प्रतिफल से आज भी उनकी पिढी या पिढीयाँ तरती जा रही है।

सम्वत् १५५० में परसनेऊ ग्राम में प्रकाण्ड पण्डित श्री हरजीरामजी के घर में शुभ नक्षत्र में जन्मे इस पलोड वंश दधिची कुल भूषण का जन्म हुआ। किशोर अवस्था से ही आपने अपने तपाबल शक्ति का परिचय देना प्रारंभ कर दिया। लोग इस बाल ब्रह्मचारी के चमत्कारों को प्रणाम करने लगे।

श्री हरजीरामजी नेभी इस तेजस्वी मुखमण्डल वाले सुपूत्र का नाम अक्षय रखा, जो शनैः अखारामजी के नाम में परिवर्तीत हो गया। उनकी बहन जिउ बाई ने इस भ्रात में बाल्य काल से ही प्रभू भक्ति की धून लगा दी, दिनभर राम-नाम जपते रहते थे तथा उन्हें एकान्तवास ही प्रिय रहा था। इस मौन तपसी संत को ग्रामवासी गूगीया के नाम से सम्बोधित कर पुकारते थे। मारुती नन्दन की शक्ति व भक्ति में डूबे इस भक्त को किसी के कुछ कहने से बेअसर रहे। वे इतने भक्त बन गये कि श्री बालाजी स्वयं उनके वार्तालाप करते थे। वे परसनेऊ से ५-६ किलोमीटर दूर (नाडीया) मं धुनी रमो थे तथा राम व भक्त हनुमान को रिझाने में

मस्त रहते थे। इस संत की शरण में जो जाते थे, बाधा (संकट) मुक्त हो जाते थे। सर्पदंश से व्याकुल व्यक्ति उनके पास आकर चिमटे और बभूति की कल्पतरु कलवाणी पाकर नया जीवन प्राप्त कर लेते थे। अंजनीसुत की भक्ति में लीन इस भक्त में एक मनोभाव जागृत हुआ कि इस धोरां-धरती पर एक बालाजी का मन्दिर बनवाऊं, इस ग्राम की माटी के कण-कण में भक्ति अलख जागाऊं।

श्री अखाराम जी की मनोइच्छा को पूर्ण करने के लिए स्वयं बालाजी धरती पर उतर आये और स्वप्न में दर्शन देकर अखाराम जी को आदेश दिया, मैं तुम्हारी भक्ति से इतना प्रसन्न हूं कि स्वयं तुम्हारे पास आ रहा हूं। फलस्वरूप दड़ीबा गांव के पास आ रहा हूं। बैनाथ में हल जोत रहे एक किसान का हल अपने आप रुक गया, जब किसान ने देखा कि खेत में बालाजी की एक मूर्ति निकली है वो आश्चर्य चकित हो गया तभी वहां एक आकाशवाणी हुई की मुझे बैलगाडी पर बिठाकर उत्तर दिशा की ओर ले चलों जहां यह बैल गाड़ी रुक जावे वहीं मेरा स्थान होगा। क्योंकि मेरा भक्त अखाराम वहां मेरा इन्तजार कर रहा है। इधर अखाराम जी प्रभु के आने की प्रतिक्षा कर रहे थे।

श्री बालाजी की मूर्ति आते देख कर अखाराम जी के नयन झर झर बरसने लगे और अपने आप को धन्य मान कर बालाजी को पाकर फूले नहीं समाये। यह लीला देखकर श्री हरजीसुत अति प्रसन्नचित रहने लगे। (हृदय सराहत बचन नहीं आवा।)

पंचमी व पुनम का मेला लगता है, यात्रि अपनी मनोकामना पूर्ण करते हुए श्रीफल, लड्डु, पतासा चढ़ाते, जात जड़ूला लगवाते, यही क्रम चलता रहता था। समाधी ग्रहण करने से पूर्व मारुति नन्दन सेवक अखाराम को बोले मेरी बात सुनो जब तक यह पिपल हरा रहेगा तब तक तुम्हारी सिद्धि रहेगी, वरदान स्वरूप दादाजी महाराज को वचन

अक्षय शक्ति

सिद्धि प्रदान की। सर्प आदि के जहर व भूतप्रेत आदि के प्रभाव से मुक्ति के लिए बभूति व कलवाणी रुपी औषध का वरदान दिया जिस से आज भी वहां भक्तों के दुःख क्षणभर में कट जाते हैं।

लड़ाई में, जल में, वन में, जंगल में,
जहरीले जावरों से जह भी तुम विपत्ति में
पड़ोगे, मुझे स्मरण करोगे। मै रक्षा करुंगा।

इतना कहकर शुभ घड़ी व समय निश्चित करके प्राणायाम करते हुए अखाराम राम-राम स्मरण करते हुए प्रभु के धाम पहुंच गये। जिवू बाई के भ्रात परम पूज्य बन गये।

परसनेऊ, बण्डवा व छापरगढ़ डूंगरगढ़ में हरजीसुत की किर्ती का बखान करते हैं।

प्रेषक : श्यामसुन्दर सोसी, बैंगलोर

U S AGROCHEM PVT. LTD.

Wholesale supplier of :

- Fertilizers
- Bio Stimulants
- Micronutrients Mixture
- Single Nutrients

Contact Person:
Mr. AJAY KHANDELWAL
Mob: 09829227491

PLOT NO. B-82, NEELGIRI COLONY, BEHIND NEW ANAJ MANDI,
OPPOSITE ROAD NO. 9, VKI AREA, JAIPUR-302013 PH: 0141-3130277
EMAIL: usagrochem_jaipur@yahoo.com

बुढापे का सहारा बनी सरकार

भीलवाड - आसींद तहसील के कांवलास ग्राम निवासी मांगी लाल व मांगी बाई को बुढ़ावे के सहारे की चिन्ता सता रही थी। उनके दोनो बेटे काल के ग्रास बन गये, लड़किया ससुराल चली गई और अब बुढ़ापे में कोई सहारा नही होने से वे भविष्य के प्रति आशंकित जीवन जी रहे थे।

कांवलास ग्राम में आयोजित प्रशासन गांवों के संग शिविर में अपनी व्यथा सुनाने वाले इन निर्धन एवं वृद्ध दंपति को उपखण्ड अधिकारी जयप्रकाश नारायण ने तत्काल बीपीएल में चयनित करवाया तथा पेंशन स्वीकृत करवाकर राहत प्रदान कीगई।

बेघर गाड़ोलिया परिवार को आवास स्वीकृत

कांवलास शिविर में आये घुमन्तु गाडोलिया लोहार परिवार के मुखिया भंवर लाल को ग्राम पंचायत द्वारा निःशुल्क पटटा जारी किया गया तथा मकान निर्माण के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की योजना में ४५ हजार रू. की राशि स्वीकृत की गई।

शिविर में बागरिया परिवार के किसनाराम एवं उसकी पत्नी जमनीको पेंशन स्वीकृत कर राहत प्रदान की गई।

फसलों की क्षति के लिये फसल बीमा का लाभ किसानों को दिलाने के निर्देश

भरतपुर - जिला कलक्टर श्री जीपी शुक्ला ने कहा है कि जिले में गत दिनों ओलावृष्टि एवं कम तापमान के कारण फसलों को हुई क्षति के संबंध में फसल बीमा का लाभ संबंधित कृषकों को दिलाने की कार्रवाई शीघ्र प्रारम्भ करें।

जिला कलक्टर सोमवार को कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ फसल बीमा योजना का लाभ किसानों को दिलाने के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुये संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सरसों, गेंहू, जौ, चना व आलू में तहसीलवार हुये फसल के नुकसान का आंकलन करने और संबंधित कृषकों को नियमानुसार फसलों को हुई क्षति के लिये उन्हें फसल बीमा का लाभ दिलाने की कार्रवाई करने के निर्देश देते हुये कहा कि संबंधित बीमा ऐजेन्सी द्वारा तहसील स्तर पर तापमान के माप उपकरण सही काम कर रहे हैं यह भी सुनिश्चित करें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- सुरेश जी. शर्मा की ओर से सोमानी प्रिंटींग प्रेस, शर्मा इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गोरेगाव, पूर्व, मुंबई- 62 से मुद्रीत किया और 307, लिंकवे इस्टेट, लिंक रोड, मालाड, पश्चिम, मुंबई- 400064 यहाँ से प्रकाशित किया। संपादक- सुरेश जी. शर्मा। **CONTACT DETAIL** • TEL : 022-66998360 / 61 • FAX : 022-66450908 • Email : srushtiagro_india@yahoo.com • Webside : srushtiagro.com)